

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

December, 2015

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answer to question no. 1 and 2 should not exceed 400 words.*

1. What are Vedangas ? Explain its six organs and their functions. 20

OR

How is creation explained in Aitareya Upanishad ? Discuss. 20

2. Explain the different states of consciousness as given in Mandukya Upanishad. 20

OR

Give an account of the metaphysics of Jainism. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200 words** each :
- (a) Examine the unique features of the Svetasvatara Upanishad. 10
 - (b) Briefly explain the structure of Yajurveda. 10
 - (c) Bring out the philosophical implications of Tajjalanijti in Chandogya Upanishad. 10
 - (d) Highlight the importance of the doctrine of dependent origination in Buddhism. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each :
- (a) Briefly explain Syada Vada. 5
 - (b) Write a short note on the political philosophy of Bhishma. 5
 - (c) What is the vision of life in Isha Upanishad. 5
 - (d) Describe the concept of Nishkama Karma in Bhagavad Gita. 5
 - (e) Distinguish between Monotheism and Monism. 5
 - (f) How does carvaka describe soul ? 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :
- (a) Polytheism 4
 - (b) AUM 4
 - (c) Swapiti 4
 - (d) Jivanmukti 4
 - (e) Brahman 4
 - (f) Pudgala 4
 - (g) The five great vows of Jainism 4
 - (h) Nirvana 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. वेदांग क्या है? इसके छः अंगों और उनके कार्यों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

एतरेय उपनिषद् में सृष्टि की रचना की व्याख्या कैसे की गई है? चर्चा करें। 20

2. माण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत चेतना की विभिन्न अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जैनदर्शन की तत्त्वमीमांसा पर प्रकाश डालिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षण का परीक्षण करें। 10
- (b) यजुर्वेद की संरचना की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10
- (c) छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित तज्जलानीति के दार्शनिक निहितार्थों को स्पष्ट करें। 10
- (d) बौद्ध दर्शन के प्रतित्य समुत्पाद सिद्धान्त के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) स्यादवाद को संक्षेप में समझाएँ। 5
- (b) भीष्म के राजनैतिक दर्शन पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए। 5
- (c) ईश उपनिषद् जीवन की व्याख्या कैसे करता है? 5
- (d) भगवद् गीता के निष्काम कर्म सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5
- (e) ऐकेश्वरवाद तथा अद्वैतवाद के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5
- (f) चार्वाक आत्मा का वर्णन कैसे करते हैं? 5
5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
- (a) बहुदेववाद 4
- (b) ओउम 4
- (c) स्वपिति 4
- (d) जीवन मुक्ति 4
- (e) ब्राह्मण 4
- (f) पुदगल 4
- (g) जैन धर्म के पंच महाव्रत 4
- (h) निर्वाण 4